मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
वर्ष : 46 ■ अंक : 14 ■ बुधवार 18 मार्च 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..
आर माधवन का फेक अकाउंट

विस में गूंजा इमारतों को नियमित का मुद्दा

- अंबरनाथ के विधायक किणीकर ने उठाया मामला
- रीडेवलपमेंट के प्रस्तावों में आएगी तेज़ी
- अवैध खतरनाक इमारतों के लिए जल्द ही 'वन विंडो स्कीम' होगी लागू

उल्हासनगर. उल्हासनगर में अवैध और खतरनाक इमारतों के रीडेवलपमेंट का मामला जल्द ही सुलझने की उम्मीद है. राज्य सरकार ने अब शहर में रुके हुए रीडेवलपमेंट के प्रस्तावों को तेज़ी से आगे बढ़ाने के लिए वन विंडो स्कीम लागू करने का वादा किया है। मनपा, सब-डिवीजनल ऑफिस, लैंड रिकॉर्ड्स जैसे सभी ऑफिसों के साथ तालमेल बढ़ाकर इन प्रस्तावों को तेज़ी से आगे बढ़ाया जाएगा। साथ ही, इस मामले में निष्क्रियता बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, ऐसा शहरी विकास राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने कहा। विधायक डॉ. बालाजी किणीकर ने बजट सेशन में इस बारे में ध्यानाकर्षण मुद्दा उठाया था.

उल्हासनगर शहर में खतरनाक और अनधिकृत इमारतों का मामला पिछले कई सालों से पेंडिंग है। नियमितीकरण में रुकावटों की वजह से हज़ारों परिवार अपनी जान जोखिम में डालकर पुरानी इमारतों में रह रहे हैं। इसलिए, इन कमियों को दूर करने के लिए समय-समय पर फैसले लिए गए हैं। 2005 तक के निर्माण को नियमित करने का फैसला 2006 में लिया गया था। उस समय डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर को ऑथराइज़्ड ऑफिसर बनाया गया था। उस समय 22,013 एप्लीकेशन जमा हुए थे। लेकिन, गलतियों की वजह से 15,000 एप्लीकेशन रिजेक्ट कर दिए गए थे। सिर्फ़ 138 प्रपोज़ल मंज़ूर हुए थे।

जिलाधिकारी पर काम का बोझ होने और प्रपोज़ल समय पर मंज़ूर न होने की वजह से 2019 में मनपा आयुक्त को ऑथराइज़्ड ऑफिसर के तौर पर अधिकार दिया गया था। लेकिन, उसके तुरंत बाद कोरोना की मुसीबत आ गई और यह प्रोसेस फिर से धीमा हो गया। कल्याण लोकसभा MP डॉ. श्रीकांत शिंदे की मांग के बाद, उस समय के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने नियमितीकरण की प्रक्रिया में सबसे बड़ी रुकावट पेनल्टी को घटाकर सिर्फ़ 10 परसेंट कर दिया था। लोगों को रेडी रेकनर का 10 परसेंट पेनल्टी देकर नियमों का पालन करने का मौका मिला था। इसके मुताबिक, 1 लाख 80 हज़ार प्रॉपर्टी मालिकों को नोटिस दिए गए थे। उसके बाद सिर्फ़ 445 प्रपोज़ल मिले। इनमें से सिर्फ़ 13 प्रॉपर्टी मालिकों को D एप्लीकेशन दिए गए।

किणीकर ने उठाया ध्यानाकर्षण मुद्दा

इस बारे में मंगलवार को बजट सेशन में अंबरनाथ के MLA डॉ. बालाजी किनिकर ने एक सुझाव दिया। अलग-अलग डिपार्टमेंट के बीच तालमेल की कमी की वजह से यह प्रोसेस धीमा हो गया है। MLA डॉ. किनिकर ने आरोप लगाया कि अर्बन प्लानिंग डिपार्टमेंट में असिस्टेंट डायरेक्टर के पद का कोई ऑफिसर न होने और अधिकारियों के काम न

जल्द ही लागू होगी सिंगल विंडो स्कीम

इस पर बोलते हुए अर्बन डेवलपमेंट राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने साफ़ किया कि इस प्रोसेस को तेज़ करने के लिए जल्द ही सिंगल विंडो स्कीम लागू की जाएगी। उन्होंने यह भी साफ़ किया कि उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, लैंड रिकॉर्ड्स और सब-डिवीजनल अधिकारियों के साथ तालमेल करके इन प्रपोज़ल को लागू किया जाएगा। मंत्री मिसाल ने इस प्रोसेस में काम न करने वाले अधिकारियों के ख़िलाफ़ एक्शन लेने की चेतावनी भी दी। इससे इस प्रोसेस में तेज़ी आने की उम्मीद है।

अंबरनाथ नपा में करोड़ों का भ्रष्टाचार?

- सैकड़ों फाइलें गायब?
- पत्रकार सुनिल अहिरे ने माहिती अधिकार से मांगा जवाब
- आम सभा में भी उठा ये मुद्दा

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ के एक पत्रकार सुनिल अहिरे ने अंबरनाथ नगर परिषद में 2022-23 में हुए करोड़ों रुपयों के भ्रष्टाचार का बांधकाम विभाक के 211 और जलापूर्ति विभाग के 161 ठेकेदारों के फाइलों के बारे में जानकारी मांगी है. उनका आरोप है कि इस ठेके के काम में करोड़ों का भ्रष्टाचार हुआ है. उन्होंने माहिती अधिकार से ये फाइलें न्यायालयीन कामों के लिए मांगी हैं.

उनका कहना है कि उन्हें अब तक कोई उत्तर नहीं देने से उन्हें शक है कि इन फाइलों को गायब कर दिया गया है. इसमें शहर अभियंता राजेश तड़वी का हाथ है. इसलिए तड़वी का तबादला मुख्याधिकारी ने कर दिया है. उनके स्थान पर पंकज उन्हाले को नपा का शहर अभियंता नियुक्त किया गया है. सुनिल अहिरे द्वारा सोशल मीडिया पर फाइलों के गायब होने एवं भ्रष्टाचार की बातें डाले जाने पर 13 मार्च को अंबरनाथ नपा की आम सभा में भाजपा के नगरसेवक किरण राठोड़ ने इस मुद्दे को उठाया और नगराध्यक्षा एवं मुख्य अधिकारी से पूछा कि पत्रकार ने सोशल मीडिया पर अंबरनाथ नपा के भ्रष्टाचार एवं फाइलों के गायब होने के बारे में पोस्ट किया है. नगराध्यक्षा एवं मुख्य अधिकारी ने इसके बारे में खुलासा करें, जिसका समर्थन प्रदीप पाटिल ने भी किया. लेकिन उनको कोई जवाब नहीं दिया गया और न ही मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ ने कोई खुलासा किया है.

भ्रष्टाचार एवं फाइलों के गायब होने का मुद्दा शहर में चर्चा का विषय बन गया है और नपा के अधिकारियों में खलबली मच गई है. जबकि सुनिल अहिरे ने कहा है कि जब तक उन्हें कोई जवाब नहीं मिलेगा, वह चुप नहीं बैठेंगे. उनके पास सबूत हैं और वह न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे.

अंबरनाथ पानी की समस्या पर मंत्रालय में हुई बैठक

- जलापूर्ति मंत्री के साथ हुई चर्चा
- पानी समस्या हल होने के आसार

अंबरनाथ. अंबरनाथ में पानी की समस्या गंभीर बनी हुई है. लोगों को दो से तीन दिनों तक पानी नहीं मिल रहा है. विधायक डॉ. बालाजी किणीकर, नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले एवं शिवसेना, भाजपा के कई नगरसेवकों ने महाराष्ट्र के जलापूर्ति मंत्री गुलाबराव पाटिल से मंत्रालय में भेंट करके इस पर चर्चा की है. सभी उपस्थित नगरसेवकों ने मंत्री को बताया कि शहर पश्चिम, पूर्व में पानी आपूर्ति करने के लिए किस तरह मजीप्रा के अधिकारी भेदभाव कर रहे हैं. शहर पश्चिम के तो कई परिसर में कभी 2 दिन बाद तो कभी 3 दिन बाद लोगों को केवल कुछ ही मिनटों के लिए एवं कभी सुबह तो कभी शाम रात में जलापूर्ति की जा रही है. मंत्री गुलाबराव पाटिल ने सभी की बातों को गौर से सुना और जलापूर्ति विभाग के अधिकारियों से कहा कि वह इस ओर तुरंत ध्यान दें. पाइपलाइन में पानी के लीकेज को दूर किया जाए.

पाइपलाइनों से पानी का लीकेज

विदित हो कि जलापूर्ति करने वाली पाइपलाइनों से पानी का लीकेज बहुत ज्यादा है. जिसके कारण 30% पानी लीकेज हो जाता है. लोगों का पानी नहीं मिलता है. मंत्री को ये भी बताया गया है कि शहर के कई परिसर में टप्पे-टप्पे से जलापूर्ति की जाती है, जिसमें मजीप्रा के अधिकारी मनमानी करते हुए अनियमितता से जलापूर्ति करते हैं. इस बैठक में विधायक बालाजी किणीकर, गोपाल लांडगे, नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले, शिवसेना गटनेता रविंद्र करंजुले, भाजपा गट नेता अभिजीत करंजुले, पूर्व नगराध्यक्ष सुनिल चौधरी, उप नगराध्यक्ष सदाशिव पाटिल, सुभाष सालुंखे आदि उपस्थित थे.

अंबरनाथ से कार चोरी

अंबरनाथ. अंबरनाथ में एक व्यक्ति ने अपनी जान-पहचान का फायदा उठाकर दोस्त की कार चुरा ली। चोरी अंबरनाथ-कटाई पाइपलाइन रोड पर होटल 'स्टेटस इन' के पास हुई। इस संबंध में शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में गुजरात के एक व्यक्ति के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया गया है।

शिकायतकर्ता विनोद लालजी गोठी (31), जो मूल रूप से गुजरात के कच्छ जिले का रहने वाला है और आरोपी हितेश मोहन डाबी एक-दूसरे के जान-पहचान वाले हैं। विनोद गोठी ने पहले भी हितेश को अपनी कार चलाने के लिए दी थी। हालांकि, किसी कारण से बाद में उसने उसे कार देना बंद कर दिया। 17 नवंबर की सुबह से 18 नवंबर की शाम तक विनोद गोठी ने अपनी कार होटल स्टेटस इन के इलाके में खड़ी की थी। इस मौके का फायदा उठाकर, आरोपी हितेश डाबी ने शिकायतकर्ता से बिना कोई सहमति लिए धोखाधड़ी के मकसद से कार चुरा ली। जैसे ही विनोद गोठी को पता चला कि उसकी कार गायब है, वह शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी हितेश डाबी के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर लिया है। इस मामले की आगे की जांच पुलिस सब-इंस्पेक्टर पी. डी. अमृतकर कर रहे हैं।

केबी रोड के काम से व्यापारियों को परेशानी

- सड़क की ऊंचाई बढ़ी जबकि दुकानों का लेवल कम हो गया
- दुकानों में पानी घुसने का डर

उल्हासनगर. शहर में K.B. रोड पर डबल रोड बनने से व्यापारियों का सब्र जवाब दे रहा है। इस डबल रोड से सड़क की ऊंचाई बढ़ गई है और दुकानों का लेवल कम हो गया है। इससे व्यापारियों को डर है कि मानसून में सड़क का पानी दुकानों में घुस जाएगा। इसके अलावा, कई महीनों से अधूरे पड़े इस काम का व्यापार पर बड़ा असर पड़ा है और व्यापारियों को पैसे की तंगी का सामना करना पड़ रहा है।

- महापौर के इंस्पेक्शन के बाद भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं

कुछ दिन पहले महापौर ने खुद सड़क का इंस्पेक्शन किया था और जल्द से जल्द काम पूरा करने का आश्वासन दिया था। हालांकि, व्यापारियों का आरोप है कि उस इंस्पेक्शन के बाद भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। न तो काम की रफ्तार बढ़ी है, और न ही व्यापारियों की समस्याओं का कोई ठोस समाधान किया गया है। इस बारे में व्यापारी नेता नरेश थारवानी ने कड़ी नाराज़गी ज़ाहिर करते हुए कहा कि नेता बड़े-बड़े वादे करके चले जाते हैं। असल में व्यापारियों का व्यापार बर्बाद हो रहा है और प्रशासन को इसकी कोई चिंता नहीं है।

बिक्री में भारी गिरावट की शिकायत

उल्हासनगर के सबसे व्यस्त कमर्शियल इलाकों में से एक केबी रोड की हालत इस समय बहुत खराब दिख रही है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हैं और हर तरफ धूल के गुबार उड़ रहे हैं। इस वजह से ग्राहकों का दुकानों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। नतीजतन, इसका सीधा असर व्यापारियों के व्यापार पर पड़ा है और व्यापारियों ने बिक्री में भारी गिरावट की शिकायत की है। व्यापारियों का कहना है कि हालांकि सड़क का काम कई महीनों से चल रहा है, लेकिन इसकी रफ़्तार बहुत धीमी है। इस वजह से व्यापारियों को लगता है कि इस काम में जानबूझकर देरी की जा रही है। व्यापारियों के मुताबिक, रोज़ाना धूल, कीचड़ और ट्रैफ़िक की दिक्कतों की वजह से ग्राहक इस इलाके में आने से कतरा रहे हैं।

व्यापारियों का आरोप...

व्यापारियों का आरोप है कि कागज़ों पर डेवलपमेंट के बड़े-बड़े दावे करने के बावजूद, असल में शहर की बेसिक सुविधाएं अभी भी बहुत खराब हालत में हैं। व्यापारियों का कहना है कि शहर का डेवलपमेंट भाषणों और कागज़ों तक ही सीमित रह गया है, जबकि दूसरी तरफ, व्यापारी और आम नागरिक रोज़ाना की दिक्कतों से जूझ रहे हैं। नरेश थारवानी ने भी कहा कि व्यापारियों को भारी नुकसान हो रहा है, जबकि शहर के नेता अपनी राजनीति में बिज़ी हैं।

पाइप सप्लाई के बहाने उल्हासनगर के कॉन्ट्रैक्टर से 4 करोड़ 23 लाख की ठगी

उल्हासनगर. 'अमृत' योजना के काम के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक ऐसी घटना सामने आई है जिसमें दिल्ली की एक ट्रेडिंग कंपनी के मालिकों ने अच्छी क्वालिटी के पाइप सप्लाई करने के बहाने एक लोकल कॉन्ट्रैक्टर से 4 करोड़ से ज़्यादा एडवांस ले लिए। इस मामले में सेंट्रल पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है।

'अमृत' स्कीम के काम के लिए पाइप सप्लाई करने के बहाने एक कॉन्ट्रैक्टर से 4 करोड़ 23 लाख 83 हज़ार रुपये की ठगी हुई है। इस मामले में सेंट्रल पुलिस स्टेशन में दिल्ली की 'H.C. Pipes Pvt. Ltd.' और 'H.C. Pipes and Walls' कंपनियों के मालिक विकास प्रवीण कुमार जैन, अंकुर प्रवीण कुमार जैन और आस्था जैन के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है।

निकी अशोकलाल खूबचंदानी कॉन्ट्रैक्टर हैं और उनके पास अमृत स्कीम के तहत ड्रेनेज लाइन बिछाने का काम है। जून 2023 से अप्रैल 2024 के बीच आरोपियों ने कुछ ऑर्डर समय पर भेजकर भरोसा जीता, यह कहकर कि उनकी कंपनियों के DI और MS पाइप अच्छी क्वालिटी के हैं और समय पर सप्लाई हो जाएंगे। बाद में, उन्होंने सरकारी काम समय पर पूरा करने के लिए ठेकेदार से 4 करोड़ 23 लाख 83 हजार 343 रुपये एडवांस ले लिए।

जेल के बाहर आरोपी का जन्मदिन मनाने के लिए फोड़े गए पटाखे

कल्याण. आधारवाड़ी जेल के बाहर एक चौंकाने वाली घटना ने बड़े पैमाने पर चिंता पैदा कर दी है, जब जेल के गेट के पास पटाखे फोड़ते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जा रहा है कि यह घटना शनिवार देर रात जेल के मुख्य द्वार के बाहर हुई। वायरल फुटेज में, एक नौजवान को आधारवाड़ी जेल के प्रवेश द्वार की ओर बढ़ते हुए और गेट के पास पटाखों की एक लड़ी जलाते हुए देखा जा सकता है।

20 करोड़ रुपये से ज़्यादा की रिकवरी

उल्हासनगर. मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने 13 से 16 मार्च तक एक बार में पूरी रकम चुकाने पर बकाया पर 100 प्रतिशत ब्याज माफी स्कीम लागू की थी। इसका रिस्पॉन्स मिला और चार दिनों में 20 करोड़ रुपये से ज़्यादा की रिकवरी हुई। इसे और बढ़ाने के लिए अभय योजना को मंगलवार, 17 मार्च तक बढ़ा दिया गया था. मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले, डिप्टी कमिश्नर विशाखा मोटघरे, कर निर्धारणकर्ता और कलेक्टर नीलम कदम और महिला अधिकारियों की एक टीम के साथ, कर निर्धारणकर्ता और कलेक्टर गणेश शिंपी और विनोद केने के साथ, बकाया संपत्ति कर वसूलने के लिए पहली बार मैदान में उतरे।

बकाया कम हो गया है और उन्होंने जब्ती की कार्रवाई से बचने के लिए 16 मार्च तक चलने वाली अभय योजना में संपूर्ण बकाया चुकाने का फैसला किया था। इसका सकारात्मक असर हुआ है और चार दिनों में 20 करोड़ रुपये से अधिक एकत्र हुए हैं। अब अभय योजना को एक दिन बढ़ाने के साथ, इस बात पर ध्यान आकर्षित किया गया है कि इसमें कितने करोड़ रुपये एकत्र हुए हैं।

गैस सिलेंडर की जमाखोरी के खिलाफ एक्शन

- ठाणे जिले में 121 से ज़्यादा गाड़ियों पर छापेमारी और जांच

कल्याण. पश्चिम एशियाई देशों में सैन्य संघर्ष की स्थिति के चलते फ्यूल की कमी के खतरे को ध्यान में रखते हुए, जिला प्रशासन ने ठाणे जिले में LPG गैस की सप्लाई को आसान बनाने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। जिला कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने भी साफ चेतावनी दी है कि गैर-कानूनी तरीके से गैस सिलेंडर जमा करने या घरेलू सिलेंडर का कमर्शियल इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बारे में जिला कलेक्टर ऑफिस के कमेटी हॉल में उनकी अध्यक्षता में एक अहम रिव्यू मीटिंग हुई।

इंटरनेशनल एनर्जी की स्थिति को देखते हुए, केंद्र सरकार ने एसेंशियल सर्विसेज मेंटेनेंस एक्ट (ESMA) 1968 लागू किया है और गैस डिस्ट्रीब्यूशन के लिए प्राथमिकताएं तय की गई हैं। इसलिए, सप्लाई पर किसी भी तरह का असर न पड़े, इसके लिए केंद्र सरकार की गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला कलेक्टर ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें और डर के मारे बेवजह गैस सिलेंडर का रजिस्ट्रेशन न करें। सिलेंडर ज़रूरत के हिसाब से ही बुक किए जाएं, ताकि सभी कंज्यूमर्स को समय पर सप्लाई हो सके।

जिले में गैस डिस्ट्रीब्यूशन की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि ठाणे जिले में करीब 2 लाख 27 हजार 742 डोमेस्टिक और 4 हजार 430 कमर्शियल गैस कनेक्शन होल्डर हैं। जिले में 13 बड़ी गैस एजेंसियां चल रही हैं और इनके ज़रिए हर दिन एवरेज 5 हजार 922 डोमेस्टिक और 622 कमर्शियल सिलेंडर की ज़रूरत होती है। गैर-कानूनी इस्तेमाल और जमाखोरी को रोकने के लिए तहसीलदार की अध्यक्षता में स्पेशल टीमें तैनात की गई हैं और अब तक 121 से ज़्यादा छापे मारे गए हैं और अलग-अलग जगहों पर इंस्पेक्शन किए गए हैं।

शिकायत सुलझाने के लिए कंट्रोल रूम

गैस डिस्ट्रीब्यूशन से जुड़ी शिकायतों को तुरंत सुलझाने के लिए डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ऑफिस में एक स्पेशल कंट्रोल रूम एक्टिवेट किया गया है। मीटिंग में बताया गया कि गैस बुक न होने या सिलेंडर मिलने में देरी की शिकायतें मिलते ही संबंधित ऑयल कंपनियों के सेल्स ऑफिसर उन्हें तुरंत सुलझा रहे हैं।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

लापरवाही की कीमत चुका रहे हैं मरीज

किसी भी सरकारी या निजी अस्पताल में मरीज प्रायः अपने जीवन की रक्षा के लिए जाते हैं, लेकिन जब वहीं उनकी जान जोखिम में पड़ जाए, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है? चिकित्सा को व्यवसाय बना कर देश में हर जगह खुल रहे अस्पतालों में जिस तरह सुरक्षा नियमों की अनदेखी की जाती है, उस पर सवाल उठना स्वाभाविक है। दिल्ली से लेकर कोलकाता, झांसी, अहमदाबाद और जयपुर तक सभी जगहों पर आग लगने की घटनाओं में मरीजों की मौत की वजह अग्निशमन संबंधी सुरक्षा मानकों में घोर लापरवाही पाई गई।

ओडिशा के कटक में रविवार देर रात राज्य सरकार द्वारा संचालित एससीबी मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में भीषण आग मरीजों के लिए सबसे सुरक्षित सघन चिकित्सा कक्ष में लग गई और उसमें कम से कम दस मरीजों की मौत हो गई और ग्यारह चिकित्सा कर्मचारी झुलस गए। यह तब है जबकि मुख्यमंत्री ने कुछ महीने पहले ही राज्य के सभी चिकित्सा संस्थानों को आग से बचाव के उपाय करने की हिदायत दी थी।

सवाल है कि क्या वहां अग्नि सुरक्षा के बुनियादी मानकों का भी पालन नहीं किया जा रहा था? इस लापरवाही की जवाबदेही किसकी है? यह दुखद है कि अस्पतालों में आग लगने की घटनाओं से कभी सबक नहीं लिया गया। कई जगहों पर तो आग से बचाव के साधन नहीं थे, तो कहीं आपातकालीन निकास की उचित व्यवस्था नहीं थी। यहां तक कि अग्निशमन सुरक्षा प्रमाणपत्र की मियाद निकल जाने पर भी न तो अस्पतालों को चेतावनी दी जाती है और न ही उन पर कोई कड़ी कार्रवाई होती है।

छोटे शहरों से लेकर महानगरों तक अमूमन हर जगह निजी और छोटे अस्पताल बिना वैध लाइसेंस और सुरक्षा प्रमाणपत्र के चलते पाए जाते हैं। क्या ऐसा संबंधित महकमे की लापरवाही और अधिकारियों की सांठगांठ के बिना संभव हो सकता है?

कायदे से सभी चिकित्सा संस्थानों में अग्नि से बचाव के साधनों की नियमित और सख्ती से जांच की जानी चाहिए। ऐसा न होने का ही नतीजा है कि ओडिशा में अति सुरक्षित सघन चिकित्सा कक्ष में भर्ती कई मरीजों की जान चली गई।

विचार : संवैधानिक मर्यादा का खुला उल्लंघन

पिछले दिनों पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य प्रशासन का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के प्रति व्यवहार न केवल लोकतांत्रिक शिष्टाचार का उल्लंघन है, बल्कि यह भविष्य के लिए एक चिंताजनक मिसाल भी है। ममता बनर्जी ने कहा कि राष्ट्रपति भाजपा के एजेंडा में फंस गई हैं। भाजपा उनसे अपना एजेंडा पूरा करवा रही है। आप 50 बार आएं तो सभी कार्यक्रमों में उपस्थित होना संभव नहीं होगा। भाजपा की चिंता सत्ता होती है और मेरी चिंता मेरे राज्य की जनता होती है। यानी वह कह रही थीं कि आप भाजपा का एजेंडा पूरा करने के लिए बार-बार बंगाल आती हैं और उम्मीद करती हैं कि मैं आपके स्वागत के लिए रहूं तो ऐसा नहीं हो सकता। क्या ममता बनर्जी की इस तरह की भाषा और व्यवहार को सामान्य लोकतांत्रिक मर्यादा और संविधान की भावनाओं के अनुरूप भी माना जा सकता है?

ममता बनर्जी इसके पहले राज्यपाल से लेकर चुनाव आयोग, केंद्रीय जांच एजेंसियों और कई बार न्यायपालिका को भी इसी भाषा में आरोपित कर चुकी हैं। अभी तक राष्ट्रपति का पद उनके अपमान और दुर्व्यवहार से बचा हुआ था। राष्ट्रपति को आरोपित करना वास्तव में राजनीतिक पतन की पराकाष्ठा है। राष्ट्रपति के पद को स्तरहीन दलीय राजनीति से बाहर रखा जाना चाहिए। दरअसल राष्ट्रपति मुर्मु पश्चिम बंगाल में 9वां अंतरराष्ट्रीय संताल समारोह एवं कांफ्रेंस को संबोधित करने गई थीं। यह कार्यक्रम बागडोगरा हवाई अड्डा के पास सिलीगुड़ी महकमा परिषद

के गोंसाईपुर में आयोजित किया गया।

पहले यह विधाननगर में आयोजित होना था, लेकिन बंगाल प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य कारणों का हवाला देते हुए इसे स्थानांतरित कर दिया। नए स्थान तक पहुंचना कठिन था और इतना छोटा था कि ज्यादा लोग शामिल नहीं हो सकते थे। स्वाभाविक था कि राष्ट्रपति विधाननगर भी गईं, संथाल भाई-बहन वहां भी थे। वहां उन्हें राज्य सरकार के रवैये के प्रति अपना असंतोष प्रकट करने तथा सच्चाई अभिव्यक्त करने को बाध्य होना पड़ा। वस्तुतः बंगाल की धरती पर उतरने के समय से ही सरकार द्वारा राष्ट्रपति की अवहेलना और अपमान की शुरुआत हो गई थी।

सामान्य प्रोटोकाल और परंपरा के अनुसार राष्ट्रपति का स्वागत करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री या अगर किसी कारणवश वह नहीं आ सकें तो उनकी जगह कोई मंत्री रहते हैं। इसके साथ प्रदेश के पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव भी उपस्थित रहते हैं, लेकिन राष्ट्रपति मुर्मु के स्वागत के लिए वहां ये नहीं थे। स्वतंत्र भारत में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ जब कोई राज्य सरकार राष्ट्रपति के कार्यक्रम के लिए उपयुक्त जगह की अनुमति न दे, उनकी पूरी तरह अवहेलना करे और असंतोष व्यक्त करने पर प्रतिक्रिया ऐसे दे जैसे अपने किसी राजनीतिक प्रतिस्पर्धी से टकरा रही है। राष्ट्रपति देश के संवैधानिक अभिभावक होते हैं। सभी को उस पद की गरिमा और स्थापित परंपरा के अनुरूप सम्मान देना होता है।

राष्ट्रपति की भावनाओं को मुख्यमंत्री के नाते ममता बनर्जी को गंभीरता से लेना चाहिए था, लेकिन बजाय इसके उन्होंने राष्ट्रपति को ही कठघरे में खड़ा कर दिया। उन्होंने यहां तक कहा कि सम्मेलन, उसकी फंडिंग, आयोजकों के बारे में उन्हें कुछ भी पता नहीं था। राष्ट्रपति के किसी प्रदेश में दौरे की सूचना राज्य सरकार के पास सबसे पहले जाती है। उसमें उनके सारे कार्यक्रम वर्णित होते हैं। राष्ट्रपति भवन के अधिकारी प्रदेश सरकार के साथ संपर्क में रहते हैं। उसके अनुसार उनका प्रोटोकाल, कार्यक्रम में सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाएं होती हैं।

क्या ममता बनर्जी के प्रशासन ने राष्ट्रपति के कार्यक्रम के बारे में उन्हें जानकारी ही नहीं दी? अगर ऐसा है तो इसकी जांच होनी चाहिए, किंतु ममता के व्यवहार से ऐसा लगता नहीं कि उन्हें कुछ पता नहीं था। बंगाल के मीडिया ने राष्ट्रपति की यात्रा और कार्यक्रम के बारे में समाचार दिए थे। सब कुछ सामने होते हुए इस तरह का व्यवहार और वक्तव्य साबित करता है कि ममता बनर्जी की हनक के समक्ष देश के शीर्ष पद का भी कोई सम्मान नहीं।

देने से अधिक खुशी हमारे दिल को किसी और चीज़ से नहीं मिलती। जब हम देते हैं, तो हम कुछ खोते नहीं

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.३० से ८.४० तक

सत्ताधारी दलों की रणनीति और मतदाता सूची की उलझन

निर्वाचन आयोग की ओर से चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों की तारीख तय किए जाने के साथ ही अब वहां नए जन प्रतिनिधियों को चुने जाने की प्रक्रिया की शुरुआत हो गई है। इसके समांतर यह बहस का विषय है कि जिन जगहों पर अभी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के बाद अंतिम सूची तैयार होना बाकी है, वहां यह कैसे सुनिश्चित होगा कि सभी पात्र मतदाताओं को मतदान का अधिकार मिले।

गौरतलब है कि रविवार को पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में चुनावों की तारीखों की घोषणा कर दी गई। पश्चिम बंगाल में दो चरण और बाकी जगहों पर एक चरण में चुनाव होंगे। इसी क्रम में अलग-अलग राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव होंगे। मतदान की तारीखों की घोषणा के साथ ही अब इन जगहों पर चुनावी आचार संहिता लागू हो गई है। मगर कई बार राजनीतिक दल मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं की घोषणा पहले ही कर देते हैं। अब तक इस प्रवृत्ति पर कोई ठोस नियंत्रण नहीं हुआ है।

ज्यादातर मौकों पर चुनाव के ठीक पहले विशेष घोषणाएं और मुफ्त की

सौगात देने को लेकर राजनीतिक दलों के बीच होड़-सी लग जाती है। इसमें सत्ताधारी दल को ऐसी घोषणा करने और तुरंत अमल करने का बेहतर मौका मिलता है।

असम में महिलाओं, विद्यार्थियों और चाय बागानों में काम करने वालों के लिए नकद भुगतान योजनाओं के जरिए भाजपा ने मतदाताओं के एक बड़े हिस्से का समर्थन हासिल करने के लिए मजबूत दांव खेला। हालांकि कई स्थानीय मुद्दों और विवादों पर उसे विपक्ष से चुनौती मिल सकती है। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव की घोषणा के ठीक पहले पुरोहितों और मुअज्जिनों के मासिक मानदेय में पांच सौ रुपए की बढ़ोतरी के अलावा कुछ अन्य घोषणाएं कीं। ऐसे फैसलों को जनहित में बताया जाता है, लेकिन विचित्र यह है कि मतदाताओं को लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं की याद सत्ताधारी पार्टियों को चुनाव सिर पर आने के बाद ही आती है।

इन चुनावों में सबसे अहम मुद्दा यह उभरा है कि कई जगहों पर मतदाता सूची का काम अभी अंतिम स्वरूप में नहीं पहुंचा है। क्या बहुत सारे लोग भी वोट देने से वंचित रह जाएंगे, जिन्हें वैध मतदाता माना जाएगा? पश्चिम बंगाल में इस बार मतदाता सूची में बदलाव पर खासा विवाद है। एसआइआर के बाद अंतिम सूची से लगभग छियासठ लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। वहीं करीब साठ लाख मतदाताओं के नाम अभी भी विचाराधीन सूची में हैं।

मतदाता सूची से हटाए गए नाम, उन पर उठी आपत्तियां, सुधार के दावे आदि तमाम विवाद चुनाव की तारीख से पहले निपटा लिए जाएंगे या नहीं, यह सवाल बना हुआ है। अगर वैध मतदाता भी मतदान से वंचित रह गए, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा? समय पर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है। मगर यह भी जरूरी है कि सभी सीटों पर हर पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में कोई भी अपनी भागीदारी के अधिकार से वंचित न हो।

पुलिस ने रोबोट को किया गिरफ्तार

जरा हट के

आज हम आपको एक ऐसी ही अनोखी घटना के बारे में बताने जा रहा हैं, जिसमें एक ह्यूमनॉइड(इंसान जैसा) रोबोट को "डर फैलाने" के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. यह मामला सुनने में भले ही मजाकिया लगे, लेकिन इसने लोगों के बीच रोबोट की सुरक्षा और उनके इस्तेमाल को लेकर गंभीर सवाल भी खड़े कर दिए हैं.

दरअसल, यह घटना चीन के मकाऊ (Macau) शहर के पटाने इलाके में स्थित लोक युंग फा युएन नाम के रिहायशी परिसर के पास हुई. जहां शाम को एक 70 साल की बुजुर्ग महिला वहां टहल रही थीं. उसी दौरान वह अपने फोन में व्यस्त थीं और अचानक उनके पीछे एक रोबोट आकर रुक गया. जैसे ही महिला ने पीछे मुड़कर देखा, वह घबरा गईं और जोर-जोर से चिल्लाने लगीं. उनके लिए यह एक बेहद डरावना अनुभव था क्योंकि उन्होंने

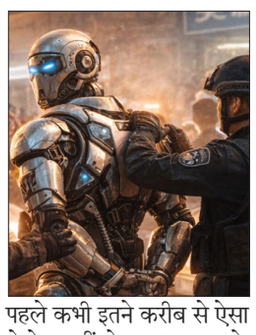

पहले कभी इतने करीब से ऐसा रोबोट नहीं देखा था. डर के कारण महिला ने रोबोट से नाराजगी जताते हुए कहा- "तुम मेरा दिल तेजी से धड़काने लगे हो, तुम बहुत कुछ कर सकते हो, लेकिन ऐसा क्यों कर रहे हो?" यह पूरी घटना आसपास मौजूद लोगों ने रिकॉर्ड कर ली, जो बाद में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई. हालांकि, इस घटना में महिला को कोई शारीरिक नुकसान नहीं हुआ, लेकिन एहतियात के तौर पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई.

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि दो पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने रोबोट को वहां से हटाया. उन्होंने रोबोट के मालिक, जो करीब 50 साल के व्यक्ति थे, को चेतावनी दी कि वह सार्वजनिक जगहों पर रोबोट का इस्तेमाल करते समय ज्यादा सावधानी बरतें. इसके बाद रोबोट को उसके मालिक को वापस सौंप दिया गया. साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, यह रोबोट एक एजुकेशन सेंटर द्वारा टेस्ट किया जा रहा था. सेंटर के प्रतिनिधि ने बताया कि रोबोट उस समय वहां से निकल रहा था और महिला के रास्ते से हटने का इंतजार कर रहा था. इसी दौरान वह महिला के पीछे खड़ा हो गया, जिससे यह गलतफहमी पैदा हो गई.

मेक्सिकन पनीर बुरिटो

खाता-खजाना

सामग्री

रैप के लिए:
- 4 टॉर्टिला या घर की बनी बड़ी और पतली रोटियां

पनीर की फिलिंग के लिए:
- 200 ग्राम पनीर (छोटे टुकड़ों में कटा हुआ)
- 1 बारीक कटा हुआ प्याज और 1 शिमला मिर्च
- 1 चम्मच तेल या मक्खन
- 1-1 चम्मच टैको/मेक्सिकन सीजनिंग

अन्य लोडिंग्स:
- 1 कप पके हुए चावल (थोड़े से नींबू के रस और धनिया के साथ मिक्स किए हुए)
- 1/2 कप उबला हुआ राजमा (हल्का मैश किया हुआ)
- 4-5 चम्मच साल्सा या तीखी टोमेटो चटनी
- आधा कप कद्दूकस किया हुआ चीज
- 2 चम्मच गाढ़ा दही

बनाने की विधि

सबसे पहले एक पैन में तेल या मक्खन गरम करें। इसमें कटा हुआ प्याज और शिमला मिर्च डालकर हल्का सा भून लें। अब इसमें पनीर के टुकड़े और अपनी मेक्सिकन सीजनिंग डालकर 2-3 मिनट तक अच्छे से मिलाएं। गैस बंद करें और

इसे एक बर्तन में निकाल लें। अब एक टॉर्टिला या बड़ी रोटी लें और उसे हल्का सा गर्म कर लें ताकि वह आसानी से मुड़ सके। रोटी के बिल्कुल बीच में सबसे पहले नींबू और धनिया वाले पके हुए चावल की एक लेयर बिछाएं। चावल के ऊपर मैश किया हुआ राजमा फैलाएं। अब इसके ऊपर तैयार की गई चटपटी पनीर की फिलिंग डालें। स्वाद को और बढ़ाने के लिए इसके ऊपर साल्सा या टोमेटो चटनी, थोड़ा-सा गाढ़ा दही और ढेर सारा चीज डाल दें। अब सबसे जरूरी काम है बुरिटो को फोल्ड करना। इसके लिए, रोटी के दोनों किनारों को अंदर की तरफ मोड़ें और फिर इसे टाइट रोल कर दें ताकि फिलिंग बाहर न निकले। अब एक तवे पर हल्का-सा मक्खन लगाएं और इस रोल को दोनों तरफ से सुनहरा और क्रिस्पी होने तक सेक लें। बस, आपका सुपर लोडेड मेक्सिकन पनीर बुरिटो बिल्कुल तैयार है।

ऑनलाइन कैब बुक करते समय रखें ध्यान!

महिलाएं, ज्यादा सुरक्षित करेंगी महसूस !

आजकल ऑनलाइन बाइक और कैब बुक करने का ट्रेंड काफी बढ़ गया है. बाइक और कैब राइड के दौरान महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं. अगर आप भी बाइक या कैब से सफर करती हैं, तो कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें, ताकि आप सुरक्षित रहें.

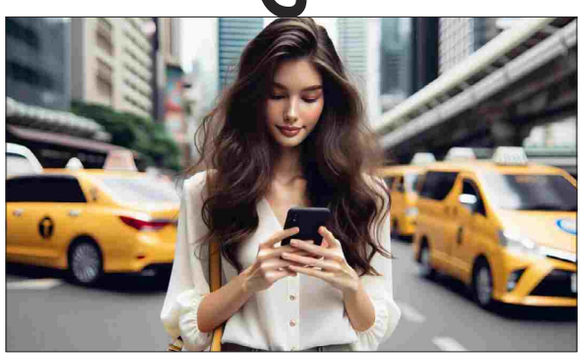

इन बातों का रखें ध्यान

राइड प्रोफाइल और रेटिंग की जांच करें

कैब या बाइक बुक होते ही सबसे पहले ड्राइवर की रेटिंग और उसके द्वारा पूरी की गई राइड्स की संख्या देखें. अगर ड्राइवर की रेटिंग कम है या उसके खिलाफ पहले कोई शिकायत दर्ज है, तो बिना झिझक राइड कैंसिल कर दें. इसके अलावा ऐप पर ड्राइवर की फोटो और गाड़ी के नंबर का मिलान जरूर करें. अगर फोटो और सामने खड़ा व्यक्ति अलग दिख रहे हों, तो कभी भी उस वाहन पर न बैठें और तुरंत ऐप पर इसकी शिकायत करें.

फैमिली के साथ लाइव लोकेशन शेयर करें

सफर शुरू करने से पहले अपनी लाइव लोकेशन और कैब/बाइक नंबर से जुड़ी जानकारी अपने परिवार के किसी सदस्य या भरोसेमंद दोस्त के साथ व्हाट्सएप के जरिए शेयर करें. उन्हें बता दें कि आप कितनी देर में घर पहुंचेंगी. जब अपराधी को यह पता होता है कि यात्री की लोकेशन पर किसी और की नजर है, तो वह गलत कदम उठाने से हिचकिचाता है. अपनी सुरक्षा के लिए सफर के दौरान फोन से बात करके अपना अपडेट भी दे सकती हैं.

अपने रूट पर खुद नजर रखें

अक्सर ड्राइवर शॉर्टकट या कम ट्रैफिक वाले रास्ते का बहाना बनाकर सुनसान रास्तों पर गाड़ी ले जाते हैं. हमेशा अपने फोन पर गूगल मैप्स खोलकर रखें और देखें कि ड्राइवर सही रास्ते पर ले जा रहा है या नहीं. अगर ड्राइवर ऐप द्वारा सुझाए गए रास्ते से अलग हटने की कोशिश करे, तो तुरंत विरोध करें और उसे मेन रूट पर ही रहने के लिए कहें. किसी भी संदिग्ध मोड़ पर तुरंत शोर मचाएं या गाड़ी रुकवाएं.

ऐप के सेफ्टी बटन का यूज करें

अधिकतर कैब और बाइक बुकिंग ऐप में एक SOS या इमरजेंसी बटन होता है. सफर शुरू करने से पहले सुनिश्चित करें कि आपको पता है कि वह बटन कहां है. इसके अलावा अपने फोन के पावर बटन को इमरजेंसी कॉल जैसे – 112 के लिए कॉन्फिगर करके रखें. ऐसी घटनाओं में समय बहुत कम होता है, इसलिए सुरक्षा फीचर्स का तुरंत इस्तेमाल करना ही बचाव का सबसे बड़ा हथियार है.

सार्वजनिक और भीड़भाड़ वाली जगह पर उतरें

अगर आपको लग रहा है कि राइडर का व्यवहार ठीक नहीं है या वह गलत तरीके से गाड़ी चला रहा है, तो अपनी मंजिल आने का इंतजार न करें. किसी भी भीड़भाड़ वाले इलाके, पेट्रोल पंप या पुलिस चौकी के पास तुरंत गाड़ी रुकवाएं और उतर जाएं. बाइक राइड के दौरान चालक से उचित दूरी बनाए रखें और अगर वह जानबूझकर शरीर को छूने या गलत हरकत करने की कोशिश करे, तो तुरंत विरोध दर्ज कराएं और आसपास के लोगों की मदद लें.

आज का राशिफल

मेष : चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। भाइयों से कहासुनी हो सकती है। आय बनी रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में सहकर्मी विरोध कर सकते हैं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, धैर्य रखें।

वृषभ : कोर्ट व कचहरी में लाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पिछले लंबे समय से रुके कार्य बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रयास करें।

मिथुन : भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। मातहतों का सहयोग मिलेगा। कर्ज की रकम चुका पाएंगे। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे। आलस्य न करें। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर संयम रखें। अनहोनी की आशंका रहेगी। पारिवारिक जीवन सुख-शांति से बीतेगा। प्रसन्नता रहेगी।

सिंह : बेवजह दौड़धूप रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई शोक समाचार मिल सकता है। अपेक्षित कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। दूसरों को कार्य में हस्तक्षेप न करें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या : सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नए काम करने की इच्छा बनेगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। मनोरंजन का वक्त मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें।

तुला : पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। मित्रों तथा पारिवारिक सदस्यों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। शत्रुओं का पराभव होगा। प्रमाद न करें।

वृश्चिक : जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। रोजगार प्राप्ति होगी। किसी बड़ी समस्या का हल निकलेगा। प्रसन्नता रहेगी। भाग्य अनुकूल है। लाभ लें। प्रमाद न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। यात्रा में कोई चीज भूलें नहीं। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। लापरवाही न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें। लाभ होगा। लाभ में कमी रह सकती है। नौकरी में कार्यभार रहेगा। आलस्य न करें।

मकर : डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यवसाय में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। किसी अपने का व्यवहार दुःख पहुंचाएगा। कानूनी समस्या हो सकती है।

कुंभ : सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। योजना फलीभूत होगी। किसी बड़ी समस्या का हल एकाएक हो सकता है। प्रसन्नता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। आय में वृद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। प्रमाद न करें।

मीन : कानूनी सहयोग मिलेगा। लाभ में वृद्धि होगी। रुके कार्यों में गति आएगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ रहेगा। थकान महसूस हो सकती है। आलस्य हावी रहेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

देसी घी या सरसों का तेल

हार्ट हेल्थ के लिए कौन-सा ऑप्शन है बेस्ट?

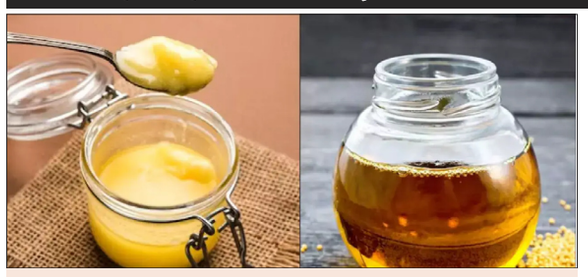

भारतीय रसोई में देसी घी और सरसों का तेल, दोनों का ही सदियों से बहुत महत्व रहा है, लेकिन जब बात हमारे दिल की सेहत की आती है, तो अक्सर यह उलझन रहती है कि खाना पकाने के लिए किसे चुना जाए। कुछ लोग घी को दिल के लिए नुकसानदायक मानते हैं, तो कुछ इसे सेहत का खजाना कहते हैं। इस उलझन को दूर करने के लिए एशियन हॉस्पिटल के कार्डियोलॉजी विभाग के एसोसिएट डायरेक्टर, **डॉ. एल.के. झा** ने कुछ जरूरी बातें शेयर की हैं। आइए आसान शब्दों में समझते हैं कि आपकी हार्ट हेल्थ के लिए क्या बेहतर है।

देसी घी

आयुर्वेद में देसी घी को बहुत गुणकारी माना गया है। यह शरीर को ऊर्जा देता है और पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है।

पोषक तत्व: घी में विटामिन A, D, E और K जैसे जरूरी फैट-सॉल्यूबल विटामिन भरपूर मात्रा में होते हैं।

नुकसान का कारण: घी में मुख्य रूप से 'सैचुरेटेड फैट' होता है। डॉक्टर के अनुसार, अगर आप जरूरत से ज्यादा घी खाते हैं, तो यह शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल (LDL) का स्तर बढ़ा सकता है, जो धीरे-धीरे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ाता है।

डॉक्टर की सलाह: देसी घी पूरी तरह से खराब नहीं है। अगर आपकी लाइफस्टाइल एक्टिव है (यानी आप अच्छी खासी शारीरिक मेहनत करते हैं), तो दिन भर में 1 से 2 चम्मच घी का सेवन आपको फायदे ही देगा।

सरसों का तेल

उत्तर और पूर्वी भारत में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला सरसों का तेल, दिल की सेहत के मामले में घी से थोड़ा बेहतर विकल्प माना जाता है।

हेल्दी फैट्स का खजाना: सरसों के तेल में मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसैचुरेटेड फैटी एसिड पाए जाते हैं, जो दिल के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।

ओमेगा-3 और ओमेगा-6: इस तेल में ये दोनों फैटी एसिड मौजूद होते हैं, जो शरीर में सूजन को कम करने और ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

कोलेस्ट्रॉल पर असर: सरसों का तेल आपके शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बनाए रखने में काफी मददगार है। रिसर्च भी यही बताती है कि सरसों के तेल जैसे 'अनसैचुरेटेड फैट' के इस्तेमाल से दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

पपीता कच्चा खाएं या पका हुआ?

पपीते की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह हर मौसम में आसानी से उपलब्ध होता है. कच्चे पपीते का उपयोग लोग अक्सर चटनी, सलाद और स्वादिष्ट सब्जी के रूप में करते हैं, वहीं पका हुआ पपीता अपने मीठे स्वाद के कारण फल की तरह खाया जाता है. स्वाद के साथ-साथ इन दोनों रूपों में मौजूद पोषक तत्वों का स्तर भी अलग-अलग होता है, जो शरीर पर अलग तरह से प्रभाव डालते हैं.

पोटैशियम का बेहतरीन स्रोत कच्चा पपीता- पोषक तत्वों की बात करें तो हरे यानी कच्चे पपीते में पके हुए पपीते की तुलना में पोटैशियम की मात्रा काफी अधिक पाई जाती है. दरअसल, पपीते के पेड़ की जड़ों के विकास के लिए पोटैशियम बहुत जरूरी होता है, यही वजह है कि कच्चे फल में इसकी सांद्रता अधिक होती है. हालांकि, पकने की प्रक्रिया के दौरान पोटैशियम का स्तर बदलता है, लेकिन पका हुआ फल अन्य विटामिनों में समृद्ध हो जाता है.

पाचन के लिए 'पपैन' एंजाइम का जादू- पाचन तंत्र के लिए कच्चा पपीता किसी रामबाण से कम नहीं है. इसमें 'पपैन' नामक एक विशेष प्रोटीन एंजाइम होता है, जो पाचन प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने में मदद करता है. दिलचस्प बात यह है कि कच्चे पपीते में पके हुए पपीते के मुकाबले पपैन की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, जो इसे पुराने कब्ज और पेट की समस्याओं के लिए एक प्रभावी औषधि बनाता है.

लिवर और नई माताओं के लिए वरदान- महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए कच्चे पपीते के कुछ विशेष लाभ भी हैं. शिशु के जन्म के बाद, दूध बढ़ाने के लिए पारंपरिक रूप से महिलाएं कच्चे पपीते का सेवन करती हैं. इसकी सब्जी का सेवन करने से नई माताओं के दूध में वृद्धि होती है. साथ ही, यह लिवर को मजबूती देता है और पीलिया जैसे रोगों में लिवर की रिकवरी में मदद करता है.

इम्यूनिटी और तनाव कम करने में मददगार- दूसरी ओर, पका हुआ पपीता विटामिन C और फाइबर का पावरहाउस है. यह न केवल शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, बल्कि बढ़ते कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में भी मददगार है. इसमें मौजूद विटामिन C तनाव को कम करने में सहायक होता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

वाराणसी में नाव पर इफ्तार, चिकन बिरयानी खाकर गंगा में हड्डी फेंकने में 14 गिरफ्तार

वाराणसी. धर्म और अध्यात्म की नगरी काशी में गंगा की लहरों पर एक बेहद विवादास्पद मामला सामने आया है। पवित्र गंगा नदी के बीचों-बीच नाव पर इफ्तार पार्टी आयोजित करने और उसमें मांसाहार (चिकन बिरयानी) का सेवन कर उसके अवशेषों (हड्डियों) को गंगा में फेंकने के आरोप में पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने अब तक 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस पूरी घटना का खुलासा तब हुआ जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल होने लगा। वीडियो में कुछ लोग गंगा के बीच नाव पर बैठकर इफ्तार करते और मांसाहार का सेवन करते दिखाई दे रहे थे। वीडियो का संज्ञान लेते हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के महानगर अध्यक्ष रजत जायसवाल ने सोमवार रात कोतवाली थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ लिखित तहरीर दी। तहरीर के साथ साक्ष्य के तौर पर वीडियो भी उपलब्ध कराया गया, जिसके आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू की।

रिटायर्ड शिक्षिका से मार्क जुकरबर्ग बनकर जालसाजों ने 13 महीने में 1.57 करोड़ ठगे

कानपुर. साइबर ठग ने खुद को अमेरिकी उद्योगपति मार्क जुकरबर्ग बताकर कानपुर की सेवानिवृत्त शिक्षिका एलिसन वीम्स से 1.57 करोड़ रुपये ठग लिए। पहले कथित जुकरबर्ग सोशल मीडिया पर संपर्क में आया फिर उसके गुर्गों ने ठगी का मोर्चा संभाल लिया। कानपुर आकर स्कूल खोलने का झांसा दिया। 25 जनवरी 2025 से 20 फरवरी 2026 तक 13 महीने में अलग-अलग खातों में रकम जमा करा ली। इस रकम की वापसी के नाम पर भी ठगी की। चकेरी के आनंदनगर की रहने वाली एलिसन वीम्स मेथाडिस्ट हाईस्कूल से सेवानिवृत्त हैं। उन्होंने बताया कि उनकी पहचान फेसबुक पर एक व्यक्ति से हुई। उसने खुद को फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम का मालिक मार्क जुकरबर्ग बताया और चैटिंग शुरू की। विश्वास में लेकर स्कूल का व्यवसाय करने की बात कही। वीम्स से नौकरी, निवेश, प्रोसेसिंग फीस समेत अन्य कार्यों के लिए रकम जमा कराई गई। डेढ़ करोड़ निकल जाने के बाद उन्हें ठगी का अहसास हुआ।

इजराइल का दावा - ईरान के सबसे ताकतवर अफसर लारिजानी मारे गए

- बसीज फोर्स कमांडर सुलेमानी की भी मौत
- ईरान ने अभी पुष्टि नहीं की

इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने दावा किया है कि ईरान में रात को किए गए एयरस्ट्राइक में देश के सिक्योरिटी चीफ अली लारिजानी मारे गए हैं। वे ईरान के सबसे ताकतवर अफसर माने जाते हैं।

इससे पहले इजराइली सेना (IDF) ने पुष्टि की थी कि उसने लारिजानी को निशाना बनाया था। इसके साथ ही IDF ने बताया कि एक अलग हमले में ईरान के बसीज पारामिलिट्री फोर्स के कमांडर गुलामरजा सुलेमानी को भी मार गिराया गया।

रक्षा मंत्री काट्ज ने बयान में कहा कि लारिजानी और बसीज कमांडर को खत्म कर दिया गया है

और वे उन लोगों के साथ जा मिले हैं, जिन्हें इजराइल पहले ही मार चुका है। हालांकि, इन दावों पर अभी तक ईरान की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं आई है।

वहीं, इजराइल के दावों के बीच लारिजानी के X अकाउंट पर एक हाथ से लिखा नोट पब्लिश किया है। इसमें उन्होंने हमले में मारे गए ईरानी नौसैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई है, जिनका अंतिम संस्कार आज होने की उम्मीद थी।

भारत का नंदी देवी जहाज गुजरात पहुंचा

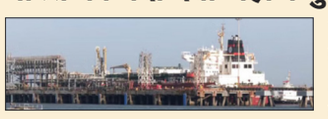

भारत का नंदा देवी जहाज होर्मुज स्ट्रेट को पार करके आज रात 2:30 बजे गुजरात के वडिनार पोर्ट पहुंचा। इस जहाज में करीब 46,500 मीट्रिक टन लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (LPG) लाई गई है। दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी के चेयरमैन सुशील कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि यह गैस समुद्र में ही एक जहाज से दूसरे जहाज में ट्रांसफर की जाएगी। इस प्रोसेस को शिप-टू-शिप (STS) ट्रांसफर कहा जाता है। इससे पहले भारतीय जहाज शिवालिक सोमवार को LPG लेकर 'मुंद्रा पोर्ट' पहुंच चुका है। इस जहाज पर करीब 46 हजार मीट्रिक टन LPG है, जो लगभग 32.4 लाख घरेलू गैस सिलेंडरों के बराबर है।

मिडिल ईस्ट का तेल दुनिया में सबसे महंगा, 153 डॉलर प्रति बैरल हुआ

जंग के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। तेल की कीमत बढ़कर 153 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है, जो हाल के समय में सबसे ऊंचे स्तरों में से एक मानी जा रही है। इस बढ़ोतरी का असर दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ रहा है, खासकर उन देशों पर जो तेल के आयात पर निर्भर हैं।
तेल की कीमतों में अचानक आई इस तेजी के चलते कई देशों में महंगाई बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। परिवहन, बिजली और जरूरी वस्तुओं की कीमतों पर इसका सीधा असर पड़ सकता है।
इसी बीच, श्रीलंका ने घोषणा की है कि अब सरकारी दफ्तर हफ्ते में 4 दिन ही खुलेंगे। यह फैसला ईंधन बचाने और ऊर्जा संकट से निपटने के लिए लिया गया है।

ईरान के साथ जंग में अकेले पड़े ट्रम्प

- NATO देश बोले- ये हमारी लड़ाई नहीं
- होर्मुज का रास्ता खुलवाने से इनकार

ईरान में खामेनेई समेत 40 से भी ज्यादा अधिकारियों के मारे जाने के बाद अमेरिका को यह जंग बड़ी कामयाबी नजर आ रही थी। लेकिन 17 दिन बाद हालात बदल चुके हैं। युद्ध का कोई साफ अंत नजर नहीं आ रहा है।

ईरान ने जवाब में होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते तेल आपूर्ति रोक दी, जिससे दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बड़ी चोट पहुंची है। ट्रम्प अब अपने सहयोगी नाटो देशों से होर्मुज में रास्ता खुलवाने की अपील कर रहे हैं।

हालांकि इन देशों ने साफ कर दिया है कि वे होर्मुज स्ट्रेट में अपने वॉरशिप नहीं भेजेंगे। यह फैसला ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर नाटो देश इस अहम समुद्री रास्ते को फिर से खोलने में मदद नहीं करते, तो नाटो का भविष्य खराब हो सकता है।

जर्मनी बोला- यह यूरोप की जंग नहीं

द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी ने साफ कहा है कि वह किसी भी सैन्य कार्रवाई में हिस्सा नहीं लेगा। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि इस मामले में कभी कोई फैसला नहीं हुआ, इसलिए जर्मनी के सैन्य योगदान का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की मौजूदा सरकार खत्म होनी चाहिए, लेकिन बमबारी करके उसे झुकाना सही तरीका नहीं है।

जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने भी अमेरिका पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यह यूरोप का युद्ध नहीं है और जब अमेरिकी नौसेना खुद इतनी ताकतवर है, तो कुछ यूरोपीय

कांग्रेस के तीन नेताओं की छिनेगी विधायकी!

- राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग की सजा
- पार्टी से निलंबित

नई दिल्ली. ओडिशा में क्रॉस वोटिंग के चलते राज्यसभा चुनाव में हारने वाली कांग्रेस ने अब बागी विधायकों पर ऐक्शन लेना शुरू कर दिया है। पार्टी ने भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप रे के लिए वोट डालने वाले तीन विधायकों को निलंबित कर दिया है। ये विधायक हैं सनाखेमुंडी रमेश चंद्र जेना, मोहाना के दसरथी गोमांगो और कटक से विधायक सोफिया फिरदौस। इन लोगों ने सोमवार को

हुए राज्यसभा चुनाव में पार्टी की हिदायत के बाद भी दिलीप रे के समर्थन में वोट दिया था। इन लोगों के निलंबन की जानकारी देते हुए ओडिशा कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'कांग्रेस को धोखा देने वालों ने देश के साथ विश्वासघात किया है।'

ओडिशा कांग्रेस के मीडिया सेल के प्रभारी अरबिंद दास ने कहा कि यह निर्णय पूरी प्रक्रिया की समीक्षा करने के बाद लिया गया है। इन लोगों ने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के हितों के खिलाफ काम किया। वह भी तब जबकि सभी विधायकों को पहले से ही हिदायत दी गई थी। उन्होंने कहा कि अब इन लोगों की विधानसभा की सदस्यता ही खत्म कराई जाएगी। इसके लिए हम स्पीकर को जल्दी ही नोटिस देने वाले हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भक्त चरण दास ने कहा कि इन लोगों से ऐसी उम्मीद नहीं थी। इन विधायकों ने पार्टी के साथ गद्दारी की है। हम तय करेंगे कि कैसे संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत इन लोगों को विधानसभा से बाहर कराया जाए।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस ऐक्शन की हाईकमान ने भी सराहना की है। लीडरशिप मानती है कि इन लोगों के खिलाफ ऐक्शन लिया जाना जरूरी था। इन कांग्रेस विधायकों के अलावा मुख्य विपक्षी दल बीजेडी के भी 8 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की थी। इसी के चलते विपक्ष के साझा उम्मीदवार दत्तेश्वर होता की हार हो गई। होता को बीजेडी ने उतारा था, लेकिन कांग्रेस ने भी उनके समर्थन का ऐलान किया था। माना जा रहा है कि कांग्रेस ऐसा ही ऐक्शन बिहार और हरियाणा जैसे राज्यों में भी ले सकती है। बिहार में भी विपक्षी कैंडिडेट को हार मिली है,

'वीरू' के रोल में 'बसंती'

देवरिया. उत्तर प्रदेश के देवरिया में बघौचघाट क्षेत्र में फिल्म शोले का वो दृश्य एक बार फिर जीवंत हो उठा जिसमें वीरू पानी की टंकी पर चढ़कर बसंती से शादी की जिद करने लगते हैं। फर्क सिर्फ इतना कि यहां वीरू की भूमिका में बसंती दिखी। इस बसंती यानी लड़की का गांव के ही युवक के साथ ऐसा प्रेम परवान चढ़ा कि अपने जान की परवाह न करते हुए मंगलवार को गांव में स्थित मोबाइल टॉवर पर चढ़ गई। युवती, पहले से शादीशुदा प्रेमी से दोबारा शादी कराने की जिद्द पर अड़ी रही और प्रेमी का नाम लेकर उसे बुलाने लगी। युवती की इस हरकत को देखकर टॉवर के पास गांव के लोगों की भीड़ इक्कठा हो गई।

केसी त्यागी ने जदयू से दिया इस्तीफा

पटना. पिछले कुछ दिनों से अपनी ही पार्टी के खिलाफ बोल कर चर्चा में रहने वाले केसी त्यागी ने जनता दल यूनाइटेड से इस्तीफा दे दिया है। केसी त्यागी ने अपना इस्तीफा पत्र सोशल मीडिया पर शेयर कर साफ किया है कि वो जदयू की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं और आगे सदस्यता नहीं लेंगे। JDU को भेजे गए इस्तीफे में केसी त्यागी ने अपने भविष्य का प्लान भी बताया है। केसी त्यागी ने लिखा है कि 22 मार्च को वो अपने समर्थकों के साथ बैठक करेंगे। केसी त्यागी ने लिखा, '30 अक्तूबर, 2003 को जदयू अस्तित्व में आया और समता

पार्टी तथा जनता दल का विलय हुआ।

उस वक्त जॉर्ज फर्नांडिस ने अध्यक्ष और मैंने महासचिव के तौर पर एक साथ काम किया। मैंने शरद यादव और नीतीश कुमार की अध्यक्षता में भी काम किया। मैं पार्टी का मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार भी रह। अब पार्टी का सदस्यता अभियान खत्म हो गया है और मैंने दोबारा पार्टी की सदस्यता नहीं ली है। नीतीश कुमार के प्रति मेरा सम्मान कभी नहीं बदलेगा।'

केसी त्यागी ने बताया है भविष्य का प्लान

केसी त्यागी ने आगे लिखा, 'मेरे कुछ राजनीतिक साथी, समर्थक और वर्करों ने 22 मार्च को एक बैठक आयोजित की है। इस बैठक में देश के राजनीतिक हालात पर चर्चा होगी। मैं जल्द ही आगे की रणनीति पर फैसला लूंगा। बता दें कि केसी त्यागी मूल रूप से उत्तर प्रदेश से आते हैं। पश्चिमी यूपी में उनके काफी समर्थक भी हैं।

गुजरात में भी UCC की तैयारी

- समिति ने CM भूपेंद्र पटेल को रिपोर्ट सौंपी
- 24 मार्च को सदन में पेश हो सकता है विधेयक

गांधीनगर. उत्तराखंड के बाद अब गुजरात में भी जल्द यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी समान नागरिक संहिता (UCC) लागू हो सकता है। यूसीसी के लिए गठित समिति ने मंगलवार को मुख्यमंत्री को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंप दी है। समिति ने विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत अध्ययन के बाद इसने अंतिम सिफारिशें सहित अपनी रिपोर्ट पेश की है।

गुजरात सरकार आज शाम को इस रिपोर्ट पर मंत्रियों और

अधिकारियों के साथ चर्चा करेगी। यूसीसी से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा मौजूदा विधानसभा सत्र में ही की जाएगी।

रिपोर्ट 23 मार्च को सदन में रखी जा सकती है, जबकि 24 मार्च को बिल पेश किए जाने की संभावना है, जो इस बजट सत्र का अंतिम दिन भी है।

अगर यह बिल पास हो जाता है, उत्तराखंड के बाद यूसीसी लागू करने वाला गुजरात देश का दूसरा राज्य बन जाएगा।

महिलाओं के समान अधिकारों को प्राथमिकता

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने X पर लिखा- गुजरात में समान नागरिक संहिता (UCC) के क्रियान्वयन के लिए सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय समिति ने अपनी विस्तृत और अंतिम रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी है।

रिपोर्ट में विवाह, तलाक, संपत्ति में उत्तराधिकार और गोद लेने जैसे मुद्दों पर सभी धर्मों और समुदायों के लिए समान कानूनी ढांचा लागू करने का सुझाव दिया गया है।

अंडों पर लिखनी होगी उत्पादन और एक्सपायरी डेट

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में योगी सरकार अंडों की बिक्री को लेकर बड़ा फैसला लेने जा रही है। अब अंडों पर उत्पादन तिथि और एक्सपायरी डेट लिखना अनिवार्य किया जाएगा। इसका मकसद उपभोक्ताओं को ताजे और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद दुकानदार कई दिनों पुराने या खराब अंडे नहीं बेच सकेंगे। वहीं, ग्राहक भी अंडों पर लिखी तारीख देखकर आसानी से समझ सकेंगे कि अंडा खाने योग्य है या नहीं। सरकार का मानना है कि इस फैसले से खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा और उपभोक्ताओं को बेहतर गुणवत्ता का सामान मिल सकेगा।

कत्लेआम को सैन्य अभियान का नाम मत दो

- काबुल पर पाकिस्तान के कायराना हमलों पर भड़का भारत
- 400 लोगों की हो गई मौत

नई दिल्ली. भारत ने मंगलवार को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के एक अस्पताल पर हुए पाकिस्तानी हमले की निंदा करते हुए पाक को लताड़ लगाई है। यह प्रतिक्रिया काबुल के अस्पताल पर हुए हमले में कम से कम 400 लोगों के मारे जाने की खबरों के बीच आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक हवाई हमले मरीजों सहित 250 से ज्यादा लोग घायल भी हुए हैं।

विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को

एक बयान जारी कर पाकिस्तान को सुनाया है। मंत्रालय ने इन हमलों को बर्बर, कायरतापूर्ण और अमानवीय बताया। साथ ही मंत्रालय ने पाकिस्तान पर नरसंहार को सैन्य अभियान का रूप देने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया। सरकार ने यह भी कहा कि इस हमले का समय, यानी रमजान के महीने में हुआ हमला, इसे और भी ज्यादा निंदनीय बनाता है। MEA के बयान में आगे कहा गया, ₹ऐसा कोई धर्म, कोई कानून और कोई नैतिकता नहीं है जो किसी अस्पताल और उसके मरीजों को जान-बूझकर निशाना बनाने को सही ठहरा सके।₹

अफगानिस्तान की संप्रभुता पर हमला- भारत

भारत ने आगे कहा कि यह हमला अफगानिस्तान की संप्रभुता पर एक आघात था और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए एक सीधा खतरा था। बयान में कहा गया, "यह पाकिस्तान के लापरवाह रवैये के लगातार पैटर्न और अपनी सीमाओं से बाहर हिंसा के लगातार बढ़ते हताशापूर्ण कृत्यों के जरिए अपनी आंतरिक विफलताओं को बाहर दिखाने की बार-बार की जाने वाली कोशिशों को दर्शाता है।"

मौत का आंकड़ा 400 तक पहुंचा

इससे पहले अफगानिस्तान ने पाकिस्तान की सेना पर राजधानी काबुल में नशा मुक्ति केंद्र पर हवाई हमला करने का आरोप लगाया है। हालांकि पाकिस्तान ने इस दावे को झूठा और गुमराह करने वाला बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि उसने सोमवार को केवल काबुल और नांगरहार प्रांत में सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया था।

सूर्यवंशी की नजर गेल के रिकॉर्ड पर

- बोले- IPL में 175 रन का रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं

BCCI नमन अवॉर्ड्स 2026 में खिलाड़ियों ने मंच पर कई दिलचस्प किस्से साझा किए। इस दौरान संजू सैमसन ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की मिमिक्री करते हुए उनके IPL डेब्यू से पहले का मजेदार किस्सा सुनाया।

संजू ने कहा- मैदान पर वैभव का खेल देखकर ऐसा लगा मानो वे कोई वीडियो गेम खेल रहे हों। वहीं पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ ने मौजूदा भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा कि अब भारत का असली दम नजर आने लगा है।

द्रविड़ ने वैभव से गेम प्लान पूछा था

समारोह में स्टेज पर हार्दिक पंड्या, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और वैभव सूर्यवंशी मौजूद थे। बातचीत के दौरान सैमसन ने बताया कि राजस्थान रॉयल्स के लिए डेब्यू से पहले हेड कोच राहुल द्रविड़ ने वैभव से उनके गेम प्लान के बारे में पूछा था।

सैमसन ने बताया कि द्रविड ने वैभव से पूछा, तुम्हारा गेम प्लान क्या है? इस पर वैभव ने कहा, ऐसा कुछ नहीं है सर, हम तो खेलेंगे। जब द्रविड़ ने दोबारा पूछा तो वैभव बोले, अगर हमें पहली बॉल मिली तो हम उसे उड़ा देंगे।

सैमसन ने कहा कि वैभव ने मैदान पर भी लगभग वैसा ही खेल दिखाया और उन्हें देखकर लगा कि वह कोई अलग ही वीडियो गेम खेल रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान वैभव सूर्यवंशी ने अपने क्रिकेट सपनों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि वे टी-20 क्रिकेट में क्रिस गेल के 175 रन के रिकॉर्ड को तोड़ना चाहते हैं। वैभव ने बताया कि उन्होंने 2017 में पुणे सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मैच स्टेडियम में देखा था। उन्होंने अपनी पसंदीदा फिल्म का नाम धुरंधर भी बताया।

बच्चा होने पर मां ही नहीं, पिता को भी मिले छुट्टी

- सुप्रीम कोर्ट का केंद्र सरकार को निर्देश

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पैटरनिटी लीव को मान्यता देने वाला कानून बनाने की अपील की है। जस्टिस जेबी परदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि पिता भी छोटे बच्चों के देखभालकर्ता होते हैं और समाज में उनकी भूमिका को कानूनी रूप से स्वीकार किया जाना चाहिए। कोर्ट ने जोर दिया कि पितृत्व अवकाश को सामाजिक सुरक्षा लाभ के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। यह फैसला एक जनहित याचिका पर आया, जिसमें गोद लेने वाली

माताओं के लिए मातृत्व लाभ की आयु सीमा को चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि गोद लिया गया बच्चा जैविक बच्चे से अलग नहीं होता और परिवार की परिभाषा में जैविक कारक ही निर्णायक नहीं होते। इसलिए, पितृत्व अवकाश की आवश्यकता को भी समान रूप से महत्व दिया जाना चाहिए।

कोर्ट ने केंद्र को सुझाव दिया कि अवकाश की अवधि माता-पिता और बच्चे दोनों की जरूरतों के अनुरूप तय की जाए। भारत में वर्तमान में महिलाओं के लिए 26 सप्ताह तक का सशुल्क मातृत्व अवकाश उपलब्ध है, लेकिन पितृत्व अवकाश के लिए कोई राष्ट्रीय कानून नहीं है, जो लैंगिक समानता की दिशा में एक कमी है। अदालत ने मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 की धारा 5(4) और सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020 की धारा 60(4) पर विचार किया, जिसमें गोद लेने वाली माताओं को केवल तीन महीने से कम उम्र के बच्चे पर ही 12 सप्ताह का लाभ मिलता था। याचिकाकर्ता हसमानंदिनी नंदुरी ने इसे संविधान के अनुच्छेद 14, 19(1)(g) और 21 का उल्लंघन बताते हुए चुनौती दी थी।

अदालत ने इस प्रावधान को मनमाना और असमान घोषित किया, क्योंकि इससे तीन महीने से अधिक उम्र के गोद लिए बच्चों वाली माताओं और बच्चों के साथ भेदभाव होता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि गोद लिए बच्चे की जरूरतें जैविक बच्चे से अलग नहीं होतीं। इसलिए, कोर्ट ने सोशल सिक्योरिटी कोड की उक्त धारा को रद्द कर दिया और गोद लेने वाली सभी माताओं को बच्चे की उम्र की परवाह किए बिना 12 सप्ताह का मातृत्व लाभ देने का आदेश दिया।

बीजेपी में वरुण गांधी के बहुरेंगे दिन?

- परिवार संग पीएम मोदी से मुलाकात
- बोले- पितृवत स्नेह मिला

नई दिल्ली. बीजेपी सरकार की नीतियों की आलोचना के चलते पार्टी में अलग-थलग हुए वरुण गांधी एक बार फिर अपने सियासी ढर्रे पर वापस आते दिख रहे हैं। उन्होंने परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर तस्वीर पोस्ट करते हुए वरुण गांधी ने लिखा, परिवार सहित श्रद्धेय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से मिलकर उनका आर्शीवाद और मार्गदर्शन पाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

उन्होंने कहा, 'आपके आभामंडल में अद्भुत पितृवत स्नेह और संरक्षण का भाव है। आपसे हुई भेंट इस विश्वास को और भी दृढ़ बना देती है कि आप देश और देशवासियों के सच्चे अभिभावक हैं।'

वरुण गांधी ने पीएम मोदी के साथ तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है जिसमें उनकी पत्नी और बेटी भी दिखाई दे रही हैं। इसके साथ ही सियासी गलियारों में अटकलें लगने लगी हैं। जानकारों का कहना है कि वरुण गांधी को पार्टी में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। पश्चिम बंगाल में भी चुनाव होने जा रहे हैं। कई लोगों का कहना है कि वरुण गांधी को पश्चिम बंगाल में जिम्मेदारी दी जा सकती है।

- 2024 आम चुनाव में नहीं मिला था टिकट

बता दें कि वरुण गांधी ने 2009 में पहली बार बीजेपी के टिकट पर पीलीभीत से लोकसभा का चुनाव जीता था। उन्होंने कांग्रेस के वीएम सिंह को हराया था। वह 2014 में दोबारा इसी सीट से सांसद बने। इसके बाद 2019 में वरुण गांधी लगातार तीसरी बार पीलीभीत से चुनाव जीता। वहीं 2014 में वरुणा गांधी को टिकट ही नहीं दिया गया।

एनकाउंटर में पकड़ा गया बदमाश टैक्सी से फरार

झांसी. यूपी के झांसी में सनसनीखेज मामला सामने आया है। शहर कोतवाली थाना क्षेत्रान्तर्गत नगरिया कुआं सड़क पर मुठभेड़ में छह लाख के जेवर समेत दो शातिर धरे गए। वहीं शाम जिला अस्पताल से परीक्षण के दौरान एक पुलिस कस्टडी से चकमा देकर टैक्सी से फरार हो गया। घटना के बाद पूरे महकमे में खलबली मच गई। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। एक टैक्सी चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं साथी बोला कि वह तो भाग गया है। इस मामले में एसपी ने 2 सिपाहियों को सस्पेंड कर दिया है। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के मेवातीपुरा निवासी उमा वर्मा पत्नी अशोक वर्मा परिवार के सूने मकान में 11 मार्च को चोरी हुई थी। चोर लाखों जेवरात समेत अन्य माल लेकर चंपत हो गए थे। पुलिस ने मामला दर्ज किया था। सोमवार को कोतवाली पुलिस ने नगरिया कुआं स्थित हाइवे रोड से मुठभेड़ में दीपक उर्फ संजय जाटव निवासी गणेशपुरा बिजौली और नदीम निवासी हरदौल का मोहल्ला मध्य प्रदेश दतिया को गिरफ्तार किया।

लोकसभा से 8 विपक्षी सांसदों का निलंबन हटा

- स्पीकर बिरला ने सांसदों से कहा- पोस्टर और एआई से बनीं तस्वीरें न दिखाएं

नई दिल्ली. लोकसभा में मंगलवार को पहले फेज के दौरान निलंबित किए गए 8 सांसदों पर लगा सस्पेंशन हटा दिया गया। इनमें कांग्रेस के 7 और लेफ्ट के एक सांसद हैं। ये आठ सांसद 4 फरवरी को लोकसभा से पूरे बजट सत्र के लिए निलंबित किए गए थे।

उन पर हंगामा करने के दौरान स्पीकर पीठासीन कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी की कुर्सी की ओर कागज फेंकने का आरोप लगा था। यह हंगामा उस समय हुआ था जब राहुल गांधी सदन में पूर्वी लद्दाख में 2020 के भारत-चीन सीमा तनाव का जिक्र कर रहे थे।

कांग्रेस सांसद के. सुरेश समेत 3 सांसदों ने सस्पेंशन प्रस्ताव रखा। इसके बाद ध्वनि मत से इसे पास कर दिया गया। इससे पहले सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने इसका समर्थन किया। धर्मेंद यादव ने कहा कि सदन की मर्यादा में सत्ता पक्ष को भी मान रखना होगा। उन्होंने कहा कि खासकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे इसका ख्याल रखें। इसके बाद सदन में सत्ता पक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान स्पीकर ओम बिरला ने सदस्यों से कहा, 'प्लेकार्ट और एआई से बनाई गई तस्वीरें प्रदर्शित न करें।'

संक्षेप...

ठाणे के नये रेलवे स्टेशन को दिया जाय आनंद दिघे का नाम

ठाणे. शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के ने ठाणे और मुलुंड के बीच बनने वाले नये रेलवे स्टेशन का नाम ठाणे जिला शिवसेना प्रमुख रहे दिवंगत आनंद दिघे के नाम पर रखे जाने की मांग की है. ठाणे के सांसद म्हस्के की तरफ से कहा गया कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नये स्टेशन के निर्माण के लिए 250 करोड़ रुपये की मंजूरी दे दी है और प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेज दिया गया है. राज्य के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना के मुख्य नेता एकनाथ शिंदे की तरफ से सांसद ने कहा है कि ₹ठाणे और मुलुंड के बीच बनने वाले नये स्टेशन का नाम 'धर्मवीर आनंद दिघे स्टेशन' रखा जाना चाहिए.₹ आनंद दिघे शिवसेना के वरिष्ठ नेता और शिंदे के मार्गदर्शक थे.

ICU में भर्ती बुजुर्ग महिला को चूहे ने कुतरा, हुई मौत

ठाणे. भाईंदर के सरकारी अस्पताल में चौंकाने वाली घटना सामने आई है. जहां आईसीयू में भर्ती 89 वर्षीय वृद्ध महिला की चूहे द्वारा कुतरने से मौत होने का आरोप परिजनों ने लगाया है. भाईंदर पश्चिम स्थित भारतरत्न पंडित भीमसेन जोशी अस्पताल में 12 मार्च को सुहासिनी माठेकर (89) को गंभीर हालत में भर्ती किया गया था. उनकी स्थिति नाजुक होने के कारण उन्हें चौथी मंजिल के ICU में वेंटिलेटर पर रखा गया था.

परिजनों के अनुसार रविवार आधी रात के आसपास ICU में एक

चूहे ने उनके हाथ को कुतर लिया. सोमवार सुबह करीब 6 बजे जब परिवार के लोग उन्हें देखने पहुंचे, तब यह घटना सामने आई. महिला के दाहिने हाथ पर गंभीर जख्म था और काफी खून बह चुका था. परिजनों का आरोप है कि ज्यादा खून बहने के कारण दोपहर तक उनकी मृत्यु हो गई.

इस घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रशासन की लापरवाही पर गंभीर सवाल उठाए हैं. उनका कहना है कि रात के समय ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर या नर्स को इस घटना की जानकारी कैसे नहीं हुई. डॉक्टर जफर तड़वी ने कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और अस्पताल के पीछे चल रहे कंस्ट्रक्शन के काम की वजह से चूहों का प्रकोप बढ़ गया है.

मामले में दो लोगों को किया गया सस्पेंड

डॉक्टर ने यह भी कहा कि इस पूरे मामले में दो लोगों को सस्पेंड कर दिया गया है. इस घटना से अस्पताल की साफ-सफाई और मरीजों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है. परिजनों ने जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. हालांकि, इन आरोपों पर अस्पताल प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है. इस मामले में दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग भी की जा रही है.

ठाणे मनपा बालरंगकर्मी स्कीम लागू करने वाला अकेला -महापौर शर्मिला पिंपलोलकर

ठाणे. मनपा और साहिल आर्ट मोशन की मिली-जुली 'बालरंगकर्मी' स्कीम के तहत तैयार की गई शॉर्ट फिल्म 'एका बटरची बेटर गोश्त' का महापौर शर्मिला पिंपलोलकर ने डॉ. काशीनाथ घानेकर नाट्यगृह में जोशीले माहौल में अनावरण किया।महापौर ने कहा कि मनपा महाराष्ट्र का अकेला कॉर्पोरेशन है जो प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के टैलेंट को आगे बढ़ाने के लिए ऐसी बालरंगकर्मी स्कीम लागू कर रहा है। उन्होंने सभी बाल पेंटर्स की तारीफ की।

इस कार्यक्रम में उप महापौर कृष्णा पाटिल, सदन नेता हनमंत जगदाले, अतिरिक्त आयुक्त (1) संदीप मालवी और अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे, उप आयुक्त डॉ. मिताली संचेती, नगरसेवक मुकेश मोकाशी, प्रशांत

जाधवर, समूह अधिकारी संगीता बामने, बाल कलाकार श्रेयस थोरात आदि उपस्थित थे।

लघु फिल्म एकता मक्खनची बेटर गोष्ट देखने के बाद, इसकी कहानी मेरे बचपन की तरह ही लगी, सदन नेता हनमंत जगदाले ने उल्लेख किया कि मैं बचपन में कड़ी मेहनत करके यहां तक पहुंचा हूं। इसलिए कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। इसे ईमानदारी से करना महत्वपूर्ण है, उप महापौर कृष्णा पाटिल ने उल्लेख किया कि जब मैं पांचवीं कक्षा में था, तो मैंने लालटेन बनाई और उन्हें अपने आसपास के लोगों को पांच रुपये में बेचा। अतिरिक्त आयुक्त 1 संदीप मालवी ने कहा कि सभी छात्रों ने लघु फिल्म एकता मक्खनची बेहतर गोष्ठा में अच्छा अभिनय किया है और उन्हें विश्वास है कि वे भविष्य में निश्चित रूप से कलाकार बनेंगे। अतिरिक्त आयुक्त 2 प्रशांत रोडे ने भी छात्रों की प्रशंसा की और उन्हें शुभकामनाएं दीं और साहिल मोशन आर्ट के मंगेश देसाई को बधाई दी। यह बालरंगकर्मी योजना का चौथा वर्ष है और इस चौथे वर्ष में हमने एक लघु फिल्म का निर्माण किया है।

हनुमान एवं साईबाबा मंदिर का जीर्णोद्धार

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम के हाउसिंग बोर्ड शास्त्री नगर में एक 70 वर्ष पुराने हनुमान एवं साईबाबा के पुराने मंदिर को तोड़कर नया खूबसूरत मंदिर का निर्माण करके उसका जिर्णोद्धार यहां के नगरसेवक विकास हेमराज ने मंगलवार को पूजा अर्चना के बाद की. उस समय परिसर के लोग बड़ी सख्या में उपस्थित थे.

इस संबंध में विकास सोमेश्वर और राहुल सोमेश्वर ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने यहां के रहिवासियों को चुनाव के समय ये वादा किया था कि चुनाव के बाद नया मंदिर का निर्माण वह करके

देंगे. दो महिने के भीतर उन्होंने वादे को पूरा किया है.

यहां के पुराने रहिवासी गायकवाड़ ने बताया कि गत 70 वर्षों पुराना ये मंदिर एकदम खस्ता हाल में हो गया था. अब मंदिर को पीछे की तरफ लेकर बनाया गया है, जिसके कारण पूजा आदि धार्मिक कार्यक्रम करने के लिए बड़ी जगह उपलब्ध हो गई है. रहिवासियों ने विकास सोमेश्वर का आभार व्यक्त किया है. नए मंदिर में भगवान हनुमान और साईबाबा की मूर्ति स्थापना के बाद महाप्रसाद भंडारे का भी आयोजन किया गया था. विकास ने पत्रकारों को बताया कि यहां पर एक और पुराना मंदिर है उसका भी जीर्णोद्धार वह जल्द ही करेंगे.

24 साल पुराने बैंक फ्रॉड केस में फरार आरोपी गिरफ्तार

मुंबई. केंद्रीय जांच ब्यूरो ने 24 साल पुराने बैंक धोखाधड़ी मामले में बड़ी कार्रवाई की है. एजेंसी ने फरार चल रहे आरोपी हरपाल सिंह आहूजा को गिरफ्तार कर लिया है. हरपाल पिछले करीब 11 साल से कानून से बचता फिर रहा था, वहीं केंद्रीय जांच ब्यूरो लगातार उसकी तलाश कर रही थी. इस मामले में केस 27 अप्रैल 2001 को दर्ज किया गया था. एजेंसी ने 19 मार्च 2003 को हरपाल सिंह आहूजा और अन्य आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी थी.

मनपा ने वालधुनी इलाके में किया धुंआ स्प्रे

अशोकनगर, वालधुनी इलाके में राहत

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली मनपा के सफाई विभाग ने शहर में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप और डेंगू-मलेरिया जैसी संभावित बीमारियों को रोकने के लिए कमर कस ली है। इसी के तहत, मनपा की ओर से अशोकनगर और वालधुनी इलाकों में खास धुंआ स्प्रे अभियान चलाया गया।

यह अभियान सफाई विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की देखरेख में चलाया गया। इलाके की हर गली और उपनगर में स्प्रे करके मच्छरों के पनपने की जगहों को खत्म करने पर जोर दिया गया। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है, नागरिकों का स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता है, और शहर को बीमारी मुक्त रखने के लिए ऐसे अभियान लगातार चलाए जाएंगे।

जहां कुछ इलाकों में स्प्रे चल रहा है, वहीं दूसरी ओर, आशेल पाड़ा इलाके के नागरिक मच्छरों की समस्या से बेहद परेशान हैं। पिछले कुछ दिनों से इस इलाके में मच्छरों की संख्या बढ़ गई है, जिससे बुखार की बीमारियों के बढ़ने का डर है। शाम को हमारे इलाके में बाहर रहना मुश्किल हो गया है। आशेल पाड़ा के नागरिकों की तुरंत मांग है कि मनपा यहां भी तुरंत धुआं स्प्रे करे।

मनपा प्रशासन की अपील

मनपा के स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घरों के आसपास पानी जमा न होने दें, छतों से रुकावटें हटा दें और इलाके को सूखा रखें।

मनपा का पानी बिल वसूली अभियान तेज 16 दिनों में 14.88 करोड़ वसूले गए

ठाणे. मनपा जल आपूर्ति विभाग की बकाया रकम पर ब्याज पेनल्टी,एडमिनिस्ट्रेटिव चार्ज पर 100 परसेंट छूट रियायत दे रहा है और पानी का बकाया वसूलने का अभियान तेज़ कर दिया गया है। 1 मार्च से 16 मार्च 2026 तक 16 दिनों में जल आपूर्ति विभाग के माध्यम से कुल 14 करोड़ 88 लाख 2 हजार 133 रुपये वसूले गए हैं। बकाया पानी बिल पर दी गई छूट 31 मार्च 2026 तक वैध है और 1 अप्रैल 2026 से पानी बिल का भुगतान नहीं करने वाले बकाएदारों के खिलाफ और अधिक प्रभावी ढंग से कार्रवाई की जाएगी। महापौर शर्मिला पिंपलोलकर और मनपा आयुक्त सौरभ राव ने नागरिकों से पानी बिल का भुगतान कर मनपा का सहयोग करने की अपील की है।इस कार्रवाई में दिवा में 202 पानी

कनेक्शन काटे गए, 28 पंप जब्त किए गए और 14 पंप रूम सील किए गए और 75 लोगों को नोटिस जारी किए गए। कलवा प्रभाग समिति में 155 पानी कनेक्शन काटे गए। लोकमान्य सावरकरनगर प्रभाग समिति ने 63 पानी कनेक्शन काटे हैं और कुल 438 लोगों को नोटिस जारी किए हैं। नौपाड़ा कोपरी प्रभाग समिति की सीमा में 82 पानी के कनेक्शन काटे गए हैं और 141 लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। उथलसर प्रभाग समिति की सीमा में 19 पानी के कनेक्शन काटे गए हैं। वर्तकनगर प्रभाग समिति में 12 पानी के कनेक्शन काटे गए हैं और 63 लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। कुल 533 पानी के कनेक्शन काटे गए हैं। 28 पंप ज़ब्त किए गए हैं, 14 पंप रूम सील किए गए हैं और कुल 717 लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं।

सरस विक्री प्रदर्शनी में ग्रामीण महिलाओं के उत्पादन को अच्छा प्रतिसाद

ठाणे. ग्रामीण इलाकों में महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादन को सही मार्केट देने के लिए आयोजित ₹ज़िला लेवल सरस और मिनी सरस विक्री प्रदर्शनी₹ को नागरिकों से तुरंत रिस्पॉन्स मिला है और 51.17 लाख रुपये की रिकॉर्ड विक्री हुई है। ज़िला लेवल सरस और मिनी सरस विक्री प्रदर्शनी में अच्छा परफ़ॉर्म करने वाली सेल्फ़-हेल्प ग्रुप की महिलाओं को 16 मार्च, 2026 को बी.जे. हाई स्कूल, ठाणे में सम्मानित किया गया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजीत यादव के गाइडेंस में, यह प्रदर्शनी जिला रूरल डेवलपमेंट एजेंसी, ठाणे और महाराष्ट्र स्टेट रूरल लाइवलीहुड प्रमोशन मिशन (MSRLM) ने मिलकर वज्रेश्वरी महोत्सव के तहत लगाई थी। यह

10 से 14 मार्च 2026 तक यशवंतराव चव्हाण मैदान (मैक्सी ग्राउंड), कार्णिक रोड, कल्याण (W) में लगी थी।

इस प्रदर्शनी में सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए अलग-अलग खाने की चीज़ों, हैंडीक्राफ्ट, टेक्सटाइल प्रोडक्ट और घरेलू सामान के कुल 100 स्टॉल लगाए गए थे। इसमें 10 खाने के स्टॉल और 90 हैंडीक्राफ्ट, कपड़े और घरेलू सामान के स्टॉल शामिल थे। इस प्रदर्शनी में 210 से ज़्यादा महिलाओं ने हिस्सा लिया।कल्याण, ठाणे और दूसरे ज़िलों से लगभग 12,000 लोगों ने इस प्रदर्शनी को देखा। लोगों ने महिलाओं के प्रोडक्ट को बड़ी मात्रा में खरीदकर उत्साह से देखा। खास बात यह है कि एग्जीबिशन के दौरान कई सेल्फ हेल्प ग्रुप को दूसरे कस्टमर्स से और ऑर्डर भी मिले, जिससे उनके बिज़नेस को बढ़ाने के नए रास्ते खुले हैं।इस बारे में मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजीत यादव ने कहा, "इस प्रदर्शनी ने दिखाया है कि अगर गांव की महिलाओं के बनाए हाई क्वालिटी और क्रिएटिविटी वाले प्रोडक्ट्स को सही मार्केट मिले, तो वे आर्थिक रूप से मजबूत बन सकती हैं। जिला प्रशासन 'उम्मीद' कैंपेन के ज़रिए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कमिटेड है। इस तरह की कोशिशों से महिलाओं की इनकम बढ़ रही है और उनकी ज़िंदगी में अच्छे बदलाव आ रहे हैं। हम भविष्य में ऐसे और मौके देने की कोशिश करते रहेंगे।साथ ही, डिस्ट्रिक्ट रूरल डेवलपमेंट एजेंसी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर अजिंक्य पवार ने कहा।

"सार्स विक्री प्रदर्शनी को लोगों से मिला रिस्पॉन्स बहुत अच्छा है। 51.17 लाख रुपये की बिक्री महिलाओं की कड़ी मेहनत और क्वालिटी का सबूत है। इसके ज़रिए न सिर्फ़ महिला सेल्फ़-हेल्प ग्रुप्स को मार्केट मिला है, बल्कि बिज़नेस बढ़ाने के नए रास्ते भी मिले हैं। भविष्य में, ऐसी एग्जीबिशन को और अच्छे से प्लान करके महिलाओं को और मौके दिए जाएंगे।

ठाणे डिस्ट्रिक्ट एडवाइजरी और रिव्यू कमिटी की बैठक संपन्न

ठाणे. ठाणे डिस्ट्रिक्ट की एडवाइजरी कमिटी डिस्ट्रिक्ट लेवल रिव्यू कमिटी) की मीटिंग आज जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक हुई।इस मीटिंग के दौरान जिलाधिकारी ने एनुअल क्रेडिट प्लान 2025-2026 के तहत बैंकों के परफॉर्मेंस का डिटेल में रिव्यू किया।

इसमें मुख्य रूप से सेल्फ हेल्प ग्रुप लोन, प्रधानमंत्री माइक्रो फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री स्कीम, प्रधानमंत्री रोजगार निधि प्रोग्राम, चीफ मिनिस्टर रोजगार निधि प्रोग्राम, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा, प्रधानमंत्री स्वनिधि, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के साथ-साथ राज्य सरकार की अलग-अलग डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की स्कीमें शामिल थीं।जिलाधिकारी ने बैंकों से अपील की कि वे लोन मंज़ूर करके सरकारी स्कीमों का फ़ायदा ज़रूरतमंद लोगों तक पहुँचाएँ।

हालाँकि, उन्होंने इस बात पर कड़ी नाराज़गी जताई कि सरकारी स्कीमों के मामले में प्राइवेट सेक्टर के बैंकों का परफॉर्मेंस बहुत खराब था।

जिले में क्रेडिट-डिपॉज़िट रेश्यो को बेहतर बनाने पर फ़ोकस करते हुए, फ़ाइनेंशियल इनक्लूज़न के तहत सोशल सिक्योरिटी स्कीमों—प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना में बैंकों द्वारा किए गए काम पर भी डिटेल में चर्चा की गई। नेशनल फ़ाइनेंशियल इनक्लूज़न पॉलिसी 2025-2030 के तहत एक्शन प्लान का रिव्यू करते हुए, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के विस्तार और उसके असरदार तरीके से लागू करने पर खास ज़ोर दिया गया।इसके साथ ही NABARD रूरल सेल्फ़-एम्प्लॉयमेंट ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट (RSETI) और फ़ाइनेंशियल लिटरेसी सेंटर (FLC/CFL) के कामकाज से जुड़े टॉपिक पर भी चर्चा की गई।

डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने सभी बैंकों को सख्त निर्देश दिए कि वे सरकार की योजनाओं के तहत तय टारगेट को समय पर पूरा करने के लिए अपनी परफॉर्मेंस को और बेहतर करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी बैंक और सरकारी डिपार्टमेंट लोन बांटने, फाइनेंशियल इनक्लूजन और सभी सरकारी योजनाओं को असरदार तरीके से लागू करने के लिए आपस में कोऑर्डिनेट करें।

राष्ट्रीय लोक अदालत में ट्रैफिक के 9354 केस निपटाए गए

कोर्ट में 1 करोड़ 38 लाख का बकाया फाइन जमा हुआ

ठाणे. राष्ट्रीय लोक अदालत में ट्रैफिक नियम तोड़ने पर ई-चालान की कार्रवाई के लिए पेंडिंग फाइन वाले हजारों ड्राइवरों ने उत्साह से हिस्सा लिया। इससे सरकार का रेवेन्यू बढ़ा है और ई-चालान फाइन का वर्णन कम हुआ है।ठाणे ट्रैफिक की 18 यूनिट्स के तहत की गई कार्रवाई में 9 हजार 354 केस निपटाए गए हैं और कुल 1 करोड़ 38 लाख 53 हजार 300 बकाया ई-चालान फाइन वसूला गया है। यह जानकारी ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट ने दी। जो ड्राइवर ट्रैफिक नियम तोड़ने पर लगाया गया फाइन नहीं भरते हैं, उनके खिलाफ केस दर्ज किया जाता है। ऐसे पेंडिंग मामलों को सुलझाने के लिए, मुख्य जिला और सत्र न्यायाधीश एस. बी. अग्रवाल के मार्गदर्शन और ठाणे जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण के सचिव रवींद्र पजंकर की पहल पर शनिवार, 14 मार्च को एक राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया था। इस अदालत में कुल 9 हजार 354 मामलों को समझौते के

जरिए सुलझाया गया और कुल 1 करोड़ 38 लाख 53 हजार 300 रुपये का बकाया जुर्माना अदालत में जमा किया गया है। यह जानकारी परिवहन शाखा द्वारा दी गई।

मोटर वाहन अधिनियम के तहत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले ड्राइवरों के खिलाफ जुर्माना लगाया जाता है। इसके लिए, यातायात पुलिस द्वारा वाहन मालिक के मोबाइल फोन पर जुर्माने का ई-चालान भेजा जाता है।इसमें, जुर्माना न भरने वाले ड्राइवरों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाता है। हर तीन महीने में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में ऐसे हजारों लंबित मामलों को समझौते के जरिए सुलझाने का मौका दिया जाता है। इसके अनुसार, जिन गाड़ी मालिकों ने बकाया ई-चालान फाइन भरा है, उन्हें राहत दी जाती है।लोक अदालत की यह पहल सिर्फ़ फाइन वसूलने के लिए ही नहीं है, बल्कि लोगों में ट्रैफिक नियमों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए भी है।

ऋतिक रोशन की नई फिल्म का ऐलान

राजेश कृष्णन करेंगे डायरेक्ट

ऋतिक रोशन के प्रोडक्शन हाउस 'HRX फिल्म्स' और ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने नई कॉमेडी फिल्म 'मेस' बनाने का ऐलान किया है। इस फिल्म का निर्देशन 'लूटकेस' और 'क्रू' जैसी फिल्में बना चुके राजेश ए. कृष्णन करेंगे। यह फिल्म एक ऐसी रात की कहानी है जहां चोर एक सनकी आदमी के घर में फंस जाते हैं।

इसमें चोरों का एक गैंग एक ऐसे आदमी के घर में चोरी करने के इरादे से घुसता है जिसे ओसीडी (OCD - ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर) है। यानी वह सफाई और चीजों को व्यवस्थित रखने के मामले में काफी सनकी है। घर में घुसने के बाद चोरों के लिए वहां से जिंदा और सुरक्षित निकलना ही सबसे बड़ी चुनौती बन जाता है।

इस फिल्म को ऋतिक रोशन और उनके भाई ईशान रोशन अपने बैनर 'HRX फिल्म्स' के तहत प्रोड्यूस कर रहे हैं। HRX फिल्म्स और प्राइम वीडियो के बीच यह दूसरा बड़ा प्रोजेक्ट है।

ऋतिक ने कहा- राजेश कृष्णन का विजन शानदार

ऋतिक रोशन ने इस पार्टनरशिप पर खुशी जताते हुए कहा, ₹प्राइम वीडियो के साथ हमारी साझेदारी हमें साहसी और नई तरह की कहानियां कहने का मौका दे रही है। राजेश कृष्णन कॉमेडी के साथ बेहतरीन नैरेटिव बुनने की काबिलियत रखते हैं। 'मेस' के लिए उनका विजन शुरुआत से ही असाधारण रहा है।₹ वहीं प्राइम वीडियो इंडिया के हेड निखिल मधोक ने कहा कि फिल्म की कहानी और इसके मजेदार किरदार दर्शकों को अंत तक बांधे रखेंगे।

ठाणे के सभी IVF व सोनोग्राफी सेंटर की होगी जांच

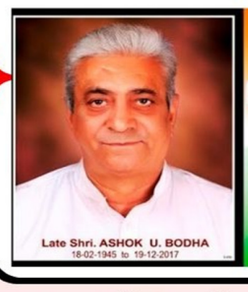

ठाणे. हाल ही में जिले के बदलापुर में महिलाओं के स्पर्म (अंडाणु) बेचने का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. इस मामले का तार ठाणे शहर से भी जुड़े होने की जानकारी उजागर होने के बाद ठाणे महानगर पालिका इस संदर्भ में चौकन्नी हो गयी है. ठाणे की महापौर शर्मिला पिंपलोलकर मंगलवार को एक बैठाक की जिसमें उन्होंने ठाणे के सभी आईवीएफ व सोनोग्राफी सेंटर की जांच करने का निर्देश दिया.

बदलापुर प्रकरण की जांच में यह बात सामने आयी थी कि ठाणे के एक अब्दे अस्पताल में बगैर लाइसेंस के चल रहे आईवीएफ सेंटर में गैरकानूनी कृत्य किया जा रहा था.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099